SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

बाइबल परिश्रम के बारे में क्या कहती है? — भक्ति और प्रार्थना · स्ट्रॉन्स नंबरों के साथ केजेवी शास्त्र

एक भक्ति और एक प्रार्थना · पूरे दिन का सफर, सुबह, दोपहर, और रात

परिश्रम — मूलभूत बाइबलीय सिद्धांत

परिचय

> *परमेश्वर ने आपको यह सोचते हुए दिन भर नहीं छोड़ा है कि आप स्थिर रह पाएँगे या नहीं। उसने उत्तर आपके ही हाथ में रख दिया है, और वह उसे तत्परता कहता है। यह केवल व्यस्त हाथों की बात नहीं है; यह सारा हृदय एक ही बात पर लगा देने की बात है, भोर की पहली किरण से लेकर सोने से पहले के अंतिम विचार तक। दाऊद ने संध्या, और प्रातःकाल, और दोपहर को प्रार्थना की (भजन संहिता 55:17); दानिय्येल दिन में तीन बार घुटने टेककर प्रार्थना करता था (दानिय्येल 6:10)। यह पाठ उन्हीं तीन प्रहरों से गुजरता है, और तत्परता के एक-एक शब्द को हर प्रहर में ले जाता है: भोर में उसे खोजो, दोपहर में ठहरकर उसे स्मरण करो, और दिन समाप्त होने पर उसका मनन करो।*

ग्रीक मुख्य शब्द

"परिश्रम" — **G4710 spoude** — शीघ्रता, सच्ची चिंता, परिश्रम
अपनी बुलाहट और चुनाव को निश्चित करने के लिये यत्न करो — और तुम कभी नहीं गिरोगे

"उत्सुकता से खोजना" — **G1567 ekzeteo** — खोजना, ढूंढना
वह उन लोगों को प्रतिफल देनेवाला है जो तन्मनसे उसकी खोज करते हैं — प्रतिफल उन्हीं के लिए है जो उसे ढूंढ़ निकालते हैं

हिब्रू मुख्य शब्द

"परिश्रमी" — **H2742 charuts** — तेज़; दाँवने का एक यंत्र; उत्तम सोना; निर्णय
परिश्रमी मनुष्य एक दृढ़-निश्चयी मनुष्य है, और उसका धन बहुमूल्य है — यह शब्द स्वयं सोना है

"परिश्रमपूर्वक" — **H3966 me'od** — शक्ति, सामर्थ्य, अत्यधिक
पूरी रिझाई से अपने हृदय की रक्षा करो — अर्थात, अपने सम्पूर्ण बल से उसकी रक्षा करो

"जल्दी ढूँढ़ना" — **H7836 shachar** — भोर में ढूँढ़ना, तड़के खोजना
वह जो लगन से खोजता है, भोर के साथ उठता है; वह पहले खोजता है, अन्त में नहीं

सुबह — मुझे शीघ्र ढूंढो

नीतिवचन 8:17 जो मुझसे प्रेम रखते हैं, उनसे मैं भी प्रेम रखती हूँ, और जो मुझ को यत्न से तड़के उठकर खोजते हैं, वे मुझे पाते हैं।
[H7836 shachar ⚑]
और जो मुझ को यत्न से तड़के उठकर खोजते हैं, वे मुझे पाते हैं.

भजन सांहेता 5:3 हे यहोवा, भोर को मेरी वाणी तुझे सुनाई देगी, मैं भोर को प्रार्थना करके तेरी बाट जोहूँगा।

प्रातःकाल मैं तेरे लिये अपनी प्रार्थना विशेष रूप से तैयार करूंगा → और आशा लगाकर पंथ देखूंगा।

भजन संहिता 63:1 हे परमेश्वर, तू मेरा परमेश्वर है, मैं तुझे यत्न से ढूँढ़ूगा; सूखी और निर्जल ऊसर भूमि पर, मेरा मन तेरा प्यासा है, मेरा शरीर तेरा अति अभिलाषी है। **[H7836 shachar ⚑]**

मैं तुझे यत्न से ढूँढ़ूगा → सूखी और निर्जल ऊसर भूमि पर.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इस सुबह, दिन का काम आपके हाथों को पकड़े इससे पहले, अपनी पहली शक्ति उसे दे दो। जो शीघ्र खोजता है वह वह नहीं है जो परमेश्वर से अधिक प्रेम करता है; वह वह है जो पहले माँगता है, इससे पहले कि दिन उसे थका दे। आज किसी और चीज़ की ओर अपना मुख करने से पहले उसकी ओर अपना मुख करो।)

दोपहर — और दोपहर को मैं प्रार्थना करूँगा

भजन संहिता 55:17 साँझ को, भोर को, दोपहर को, तीनों पहर मैं दुहाई दूँगा और कराहता रहूँगा और वह मेरा शब्द सुन लेगा।

संध्याकाल, और प्रातःकाल, और दोपहर को मैं प्रार्थना करूंगा → और वह मेरी आवाज़ सुनेगा।

प्रेरितों के काम 10:9 दूसरे दिन जब वे चलते-चलते नगर के पास पहुँचे, तो दोपहर के निकट पतरस छत पर प्रार्थना करने चढ़ा।

पतरस प्रार्थना करने के लिए घर की छत पर गया → दिन के करीब छठे घंटे।

2 पतरस 3:14 इसलिए, हे प्रियों, जबकि तुम इन बातों की आस देखते हो तो यत्न करो कि तुम शान्ति से उसके सामने निष्कलंक और निर्दोष ठहरो।

परिश्रमी बनो → उसके द्वारा शांति में, निष्कलंक और निर्दोष पाए जाओ।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — दोपहर के समय, अपने हाथों का काम रोक दो, चाहे एक क्षण के लिए ही हो। पतरस किसी विशेष स्थान पर नहीं था; वह एक सामान्य छत पर, एक सामान्य घड़ी में, एक सामान्य दिन के बीचोंबीच था। जो पद तुम आज सुबह से अपने साथ लाए थे, उसे याद करो, उसे फिर से कहो, और फिर अपने काम पर लौट जाओ। यही वह ठहराव है जो प्रयास को केवल व्यस्तता बन जाने से बचाता है।)

रात — दिन और रात मनन करना

भजन संहिता 63:6 जब मैं बिछौने पर पड़ा तेरा स्मरण करूँगा, तब रात के एक-एक पहर में तुझ पर ध्यान करूँगा;

जब मैं बिछौने पर पड़ा तेरा स्मरण करूँगा → तब रात के एक-एक पहर में तुझ पर ध्यान करूँगा.

यहोशू 1:8 व्यवस्था की यह पुस्तक तेरे चित्त से कभी न उतरने पाए, इसी में दिन-रात ध्यान दिए रहना, इसलिए कि जो कुछ उसमें लिखा है उसके अनुसार करने की तू चौकसी करे; क्योंकि ऐसा ही करने से तेरे सब काम सफल होंगे, और तू प्रभावशाली होगा।

इसी में दिन-रात ध्यान दिए रहना → क्योंकि ऐसा ही करने से तेरे सब काम सफल होंगे.

नीतिवचन 4:23 सबसे अधिक अपने मन की रक्षा कर; क्योंकि जीवन का मूल स्रोत वही है। **[H4929 mishmar ⚑]**

सबसे अधिक अपने मन की रक्षा कर → क्योंकि जीवन का मूल स्रोत वही है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — आज रात, आज सुबह और दोपहर में जिन वचनों को तुमने अपने साथ रखा था, उनके सामने आज के दिन को देखो। जहाँ दिन अच्छा बीता, वहाँ धन्यवाद दो। जहाँ नहीं बीता, उसे सोने के लिए अपने साथ मत ले जाओ; आज रात उसे परमेश्वर के सामने रख दो, और अपने विश्राम के समय अपने हृदय को व्याकुल नहीं, बल्कि सुरक्षित रहने दो।)

हृदय में छिपाने योग्य वचन

2 पतरस 1:10 इस कारण हे भाइयों, अपने बुलाए जाने, और चुन लिये जाने को सिद्ध करने का भली भाँति यत्न करते जाओ, क्योंकि यदि ऐसा करोगे, तो कभी भी ठोकर न खाओगे;

और चुन लिये जाने को सिद्ध करने का भली भाँति यत्न करते जाओ → क्योंकि यदि ऐसा करोगे, तो कभी भी ठोकर न खाओगे.

अंतिम विचार

व्यवस्थाविवरण 6:7 और तू इन्हें अपने बाल-बच्चों को समझाकर सिखाया करना, और घर में बैठे, मार्ग पर चलते, लेटते, उठते, इनकी चर्चा किया करना। (इफि. 6:4)

आज लागू करें

1. आज सुबह, खाने से पहले, सुबह के पद को एक बार ऊँची आवाज़ में पढ़ें, और परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह आज आपकी सहायता करे कि आप सबसे पहले उसे ही खोजें।
2. दोपहर के समय, अपने हाथों का काम जो कुछ भी कर रहे हों, उसे एक पूरे मिनट के लिए रोकें, दोपहर का पद फिर से कहें, और फिर अपने काम पर लौट जाएँ।
3. आज रात, सोने से पहले, उस वचन को एक बार फिर दोहराएं जिसे आप अपने हृदय में छिपाना चाहते हैं (2 पतरस 1:10), और आज के दिन से एक ऐसी बात बताएं जिसके लिए आप आभारी हैं।
4. आज रात, अपने हृदय की सब प्रकार से रक्षा करना (नीतिवचन 4:23): यदि दिन भर से क्रोध या चिंता अब तक तुम्हारे भीतर बनी हुई है, तो आँखें मूँदने से पहले उसे प्रार्थना में नाम लेकर कह देना, ताकि वह कल तक न रह जाए।

प्रार्थना

हे प्रभु, तूने मुझे इस उधेड़बुन में नहीं छोड़ा कि मैं खड़ा रह पाऊँगा या नहीं। तूने उत्तर मेरे ही हाथ में रख दिया है, और तू उसे परिश्रम कहता है। मुझे आज के दिन परिश्रमी बना — इस सुबह, दोपहर को, और आज रात। मुझे तुझे शीघ्र ढूँढ़ने दे, और तुझे खोज निकालने दे, क्योंकि तू उन्हें प्रतिफल देता है जो लगन से तुझे ढूँढ़ते हैं। मेरे हृदय की पूरी सतर्कता से रक्षा कर। मुझे वह व्यक्ति न बनने दे जो लालसा तो करता है परन्तु उसके पास कुछ नहीं होता, बल्कि मुझे काम करते हुए और विश्वासयोग्य पाया जाने दे। मेरे मन को नया कर, और हर विचार को मसीह की आज्ञाकारिता में ले आ, ताकि मैं पूर्ण शान्ति में रखा जाऊँ। अन्त आने से पहले बहुतों का प्रेम ठण्डा पड़ जाएगा; इसलिए मुझे अन्त तक धीरज धरने का परिश्रम दे, और मुझे उकाठा न होने दे (मत्ती 24:13; प्रकाशितवाक्य 3:15-16)। मुझे आशा के पूरे निश्चय के लिए वही परिश्रम दिखाने दे, और तेरे आगमन पर मुझे शान्ति में, निर्दोष पाया जाने दे। इस प्रकार मुझे तेरे अनन्त राज्य में बहुतायत से प्रवेश दिया जाए। आमीन।

समापन

2 पतरस 1:11 वरन् इस रीति से तुम हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनन्त राज्य में बड़े आदर के साथ प्रवेश करने पाओगे।

तुम्हारे लिये सनातन राज्य में प्रवेश करने का अधिकार बहुतायत से दिया जाएगा।

उद्धार पाने के लिए आपको क्या करना चाहिए?

हमारे बाइबल अध्ययन को देखिए — "मुझे उद्धार पाने के लिए क्या करना चाहिए"

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.

Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).

Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).

Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).

© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).